



कक्षा: 10वीं, सामाजिक अध्ययन (अर्थशास्त्र)

पाठ: 4 भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा



(क) तिरसठ व्यक्ति-

1. रिक्त स्थान भरें-

- (i) स्वामित्व पर आधारित वित्तीय व्यवस्था _____ तीन प्रकार के क्षेत्र हैं (रचनात्मक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और परामर्श क्षेत्र) ।
- (ii) आर्थिक गतिविधियाँ देश की कीमत पर आधारित होती हैं । _____ (प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र, सेवा क्षेत्र)

अच्छा है।

- (iii) भूमि की स्थितियों के आधार पर अर्थव्यवस्था को दो प्रकारों (अमीर और गरीब क्षेत्र) में विभाजित किया गया है।
- (iv) सार्वजनिक क्षेत्र की सभी आर्थिक गतिविधियों पर सरकार का पूर्ण नियंत्रण होता है ।
- (v) निजी क्षेत्र केवल लाभ कमाने के उद्देश्य से कार्य करता है।
- (vi) वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 20.19% था । _____
- (vii) वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 25.92% था । _____
- (viii) वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान 53.89% था । (ix) किसी देश में मौजूद प्रतिभाशाली और योग्य लोगों के भंडार को मानव पूंजी कहा जाता है । _____
- (x) 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में 21.9 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।

2. बहुविकल्पीय प्रश्न -

- (i) निम्नलिखित में से कौन सा एक आर्थिक सिद्धांत है? _____ माध्यमिक शिक्षा में क्या शामिल है?
- (क) दाई _____ (ख) निर्माण _____ (ग) परिवहन और संचार _____ (एस) उपरोक्त सभी

उत्तर:- बॉडीबिल्डिंग

- (ii) 2020-21 में सेवा वितरण का बोझ _____ सकल घरेलू उत्पाद में योगदान क्या था?
- (ए) 50.4% _____ (बी) 51.3% _____ (सी) 52.8% _____ (एस) 53.89%

उत्तर:- 53.89%

- (iii) योजना अवधि के दौरान भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में वृद्धि नहीं हो रही है?
- (ए) 8 _____ (बी) 9 _____ (सी) 10 _____ (एस) 11

उत्तर:- 9

- (iv) निम्नलिखित में से कौन सा सत्य नहीं है? _____ शुभकामनाएँ की _____ जीवन का क्या अर्थ है?
- (क) अशिक्षित _____ (ख) डॉक्टर _____ (ग) इंजीनियर _____ (सी) उपरोक्त सभी

उत्तर:- उपरोक्त सभी

(v) आय के कौन से स्रोत आर्थिक प्रणाली को स्थिरता प्रदान करते हैं?

(क) प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र (ख) प्राथमिक और सेवा क्षेत्र

(ग) द्वितीयक और सेवा क्षेत्र

(ग) सेवा क्षेत्र

उत्तर:- सेवा क्षेत्र

(इस बहुविकल्पीय प्रश्न का चौथा विकल्प बदल दिया गया है, शिक्षकगण कृपया इसे स्वयं जांच लें।)

(vi) देश की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर क्या है?

(ए) 1.6%

(बी) 1.7%

(सी) 1.8%

(एस) 1.9%

उत्तर: -1.7%

(vii) सरकार अतीत में बहुत सख्त रही है।

घरेलू उत्पादन की तकनीक का अध्ययन नहीं किया गया है।

कैसा है?

(ए) 3%

(बी) 4%

(सी) 5%

(एस) 6%

उत्तर: -3%

(viii) सेवा क्षेत्र भारत के विदेशी व्यापार में का योगदान देता है।

(ए) 19%

(बी) 20%

(सी) 21%

(एस) 22%

उत्तर: -20%

3. सत्य/असत्य

(i) सरकारी क्षेत्र जनता के कल्याण के लिए कार्य करता है। (ii) असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों (सही)

के लिए निश्चित वेतन और निश्चित कार्य नियम हैं। (गलत)

(iii) विकास के साथ प्राथमिक क्षेत्र का तुलनात्मक महत्व बढ़ता है। (सही)

(iv) सेवा क्षेत्र में वे प्रक्रियाएँ शामिल हैं जिनमें भौतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है। (गलत)

(v) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किसी देश के निजी क्षेत्र द्वारा किया जाता है। (vi) भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ (गलत)

शहरी क्षेत्रों में अधिक केंद्रित हैं। (सही)

4. बहुत युवा लोग -

(i) अर्थशास्त्र से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- अर्थव्यवस्था वह प्रणाली है जिसके अंतर्गत आर्थिक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं। इससे हमें पता चलता है

आर्थिक प्रक्रियाएँ किसी देश की कीमत और मात्रा के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं। अर्थव्यवस्था एक विशिष्ट क्षेत्र या श्रेणी में विभाजित होती है।

इसे सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

(ii) सार्वजनिक भाषण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- पब्लिक डोमेन को सरकारी डोमेन भी कहा जाता है। इसमें उन सभी डोमेन का स्वामित्व शामिल होता है जिन पर सरकार या सरकार द्वारा नियुक्त किसी एजेंसी का अधिकार होता है। (iii) पब्लिक डोमेन के अंतर्गत आने वाले दो डोमेन के नाम बताइए।

उत्तर: परमाणु ऊर्जा और रेलवे (iv) निजी

क्षेत्र से क्या तात्पर्य है?

उत्तर- निजी क्षेत्र को पूंजीवादी क्षेत्र भी कहा जाता है। इसमें वे सभी क्षेत्र शामिल होते हैं जिन पर निजी क्षेत्र का पूर्ण नियंत्रण होता है। यह क्षेत्र केवल अधिकतम लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्य करता है। (v) संगठित क्षेत्र से क्या तात्पर्य है? उत्तर- यह वह क्षेत्र है जो पूर्णतः संगठित है, अर्थात् इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी बिना किसी विशेष नियम-कानून के

काम करते हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, काम के घंटे, छुट्टी के नियम, पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा नियम निश्चित होते हैं।

(vi) असंगठित क्षेत्र से क्या तात्पर्य है? उत्तर: -

इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, काम के घंटे, छुट्टी के नियम, पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों के बारे में कोई नियम और कानून नहीं हैं। क्या शामिल है? (vii) असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी क्या हैं? उत्तर- छोटे और सीमांत मजदूर, भूमिहीन

अकुशल मजदूर, घरेलू नौकर, मछली पकड़ने वाले, सब्जी और फल विक्रेता, किसान, खेत मजदूर और

और समाचार पत्र वितरक इस श्रेणी में शामिल हैं। (viii) प्राथमिक क्षेत्र से क्या तात्पर्य है? उत्तर: प्राथमिक क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जो सीधे पर्यावरण पर निर्भर

प्रक्रियाओं से संबंधित है क्योंकि इन प्रक्रियाओं में पर्यावरण द्वारा प्रदान किए गए संसाधन जैसे भूमि, पानी, वनस्पति और खनिज

शामिल होते हैं। इसलिए, वह क्षेत्र जो उत्पादन के

लिए पर्यावरण के संसाधनों का उपयोग करता है उसे प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है। (ix) प्राथमिक क्षेत्र द्वारा की जाने वाली दो प्रकार की गतिविधियों का वर्णन करें।

उत्तर: - मछली पालन, डेयरी फार्मिंग।

(x) द्वितीयक का क्या अर्थ है?

उत्तर: द्वितीयक क्षेत्र को विनिर्माण क्षेत्र भी कहा जाता है। यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों को कच्चे माल के रूप में उपयोग करता है और उत्पादन प्रक्रिया के माध्यम से इन कच्चे माल को अंतिम वस्तुओं में परिवर्तित करता है।

(xi) माध्यमिक विद्यालय द्वारा प्रयुक्त दो विधियों का वर्णन कीजिए।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में छोटी-छोटी कार्यशालाएं, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले, कपड़ा रंगने वाले, लोहा और इस्पात बनाने वाली फैक्ट्रियां हैं।

प्लास्टिक, कार बनाने वाली कंपनियां और कारखाने इसमें शामिल हैं।

(xii) सेवा खे रोंग का क्या अर्थ है?

उत्तर: सेवा क्षेत्र या तृतीयक क्षेत्र को अर्थव्यवस्था का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। यह क्षेत्र

इसका वस्तुओं के प्रत्यक्ष उत्पादन से कोई संबंध नहीं है। यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र और द्वितीयक क्षेत्र को अपने-अपने क्षेत्रों में विभाजित करता है।

उन्हें बनाने और व्यवस्थित करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करता है।

(xiii) सेवा क्षेत्र द्वारा प्रयुक्त दो विधियों का वर्णन कीजिए?

उत्तर: इस क्षेत्र में बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, परिवहन सेवाएं और संचार सेवाएं शामिल हैं।

(xiv) विदेशी व्यापार से क्या तात्पर्य है?

बाह्य व्यापार वह व्यापार है जो विभिन्न देशों के बीच निर्यात और आयात के रूप में किया जाता है।

इसे विदेशी प्रेम कहते हैं।

(xv) मन खुश होने का क्या मतलब है?

उत्तर-मन पूंजी की सम्पदा किसी देश में कुशल और सक्षम व्यक्तियों के विशाल समूह से आती है।

(xvi) एफडीआई का पूरा नाम क्या है?

उत्तर- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।

(xvii) सेवा क्षेत्र के विकास के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में कौन से नए क्षेत्र विकसित हो रहे हैं?

उत्तर: नए पर्यटक आकर्षण, भोजन विकल्प, होटल, मनोरंजन पार्क आदि।

(xviii) भारत के ऐसे दो राज्यों के नाम बताइए, जो तश्तकों और एस्सों के पूर्वजों के राज्य हैं।

उत्तर: महाराष्ट्र और पंजाब।

(xix) भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि घरेलू उत्पादन पर होने वाला व्यय अपने स्वयं के उत्पादों के उत्पादन पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए।

कैसा है?

उत्तर: भारत सरकार अपने सकल घरेलू उत्पाद का 3% स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च कर रही है।

(xx) पिछले कुछ वर्षों में उत्पन्न हुई दो सबसे आम दीर्घकालिक बीमारियों के नाम बताइए।

उत्तर: कोरोना, कैंसर और एड्स।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए।

तब:-

(1) मलाकी का आधार ' ' आर्थिक प्रणालियों के प्रकारों का वर्णन करें?

उत्तर: स्वामित्व इस बात पर निर्भर करता है कि अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों का स्वामित्व किस क्षेत्र के पास है?

अर्थव्यवस्था में आर्थिक प्रक्रियाओं को कौन संचालित करता है? इसी आधार पर, आर्थिक प्रणाली को विभिन्न क्षेत्रों में संरचित किया जाता है।
किया जा सकता है-

1. सार्वजनिक क्षेत्र - सार्वजनिक क्षेत्र को सरकारी क्षेत्र भी कहा जाता है। इसमें वे सभी क्षेत्र शामिल होते हैं जिनका स्वामित्व

इसमें वे क्षेत्र शामिल हैं जिन पर सरकार या सरकार द्वारा नामित किसी एजेंसी का अधिकार क्षेत्र है।

2. निजी क्षेत्र - निजी क्षेत्र को पूंजीवादी क्षेत्र भी कहा जाता है। इसमें वे सभी क्षेत्र शामिल हैं

वह है, जिस पर निजी क्षेत्र का पूर्ण नियंत्रण होता है। यह क्षेत्र केवल अधिकतम लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से होता है।

यह काम करता है।

3. मिश्रित क्षेत्र - मिश्रित क्षेत्र वह क्षेत्र है जिसमें सरकारी और निजी क्षेत्र मिलकर काम करते हैं। सरकार अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर अपना

अधिकार बनाए रखती है और कम महत्वपूर्ण क्षेत्रों को निजी क्षेत्र के लिए छोड़ देती है।

इसे निजी क्षेत्र को सौंपा गया है।

(2) क्या करने की क्षमता के आधार पर आर्थिक प्रणालियों के प्रकारों का वर्णन करें?

उत्तर: कार्य स्थितियां किसी कर्मचारी के लिए अपना कार्य करने हेतु निर्धारित नियमों और शर्तों को संदर्भित करती हैं।

इस आधार पर विकास अर्थशास्त्र में दो क्षेत्र हैं जो इस प्रकार हैं:-

संगत खेर:- यह वह क्षेत्र है जो पूर्णतः विकसित है और इसमें काम करने वाले कर्मचारी विशेष हैं।

वे नियमों और कानूनों के तहत काम करते हैं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारी निश्चित वेतन, भत्ते,

कार्य समय, अवकाश नियम, पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा नियम। सरकारी और अर्ध-सरकारी

संस्थानों में काम करने वाले लोग इस श्रेणी में शामिल हैं।

असंगठित क्षेत्र :- इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, कार्य घंटे, अवकाश नियम

और अन्य सामाजिक सुरक्षा नियमों के संदर्भ में कोई नियम-कानून नहीं हैं और नियम काम देने वाले व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करते हैं। छोटे और सीमांत

श्रमिक, भूमिहीन किसान, खेतिहर मजदूर और कच्चा मजदूर, घरेलू नौकर, मछुआरे

मछली पकड़ने, सब्जियां और फल बेचने और समाचार पत्र वितरित करने वाले लोग इस श्रेणी में शामिल हैं।

(3) असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की कार्य स्थितियां क्या हैं?

उत्तर: इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, काम के घंटे, छुट्टी के नियम आदि।

सामाजिक सुरक्षा के नाम पर यहाँ कोई नियम-कानून नहीं हैं। यह इलाका अमीर होते हुए भी बहुत गरीब है।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में ये सभी नियम और कानून पूरी तरह से काम करने वाले व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करते हैं।

नियोक्ता अपनी इच्छानुसार कर्मचारियों से काम लेता है और उन्हें अपनी इच्छानुसार वेतन देता है।

प्रदान करता है। श्रमिकों को नियमित कार्य, नियमित वेतन और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ नहीं मिलते। उन्हें अवकाश लाभ और उचित कार्य परिस्थितियाँ प्रदान नहीं की जातीं। छोटे और सीमांत श्रमिक, भूमिहीन किसान, बंधुआ मजदूर और अकुशल मजदूर, घरेलू नौकर, मछली पकड़ने वाले, सब्जी और फल विक्रेता और समाचार पत्र वितरक इस श्रेणी में शामिल हैं। (4) संघ शासित क्षेत्र और संघ शासित क्षेत्र के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- उपजाऊ क्षेत्र और अनुपजाऊ क्षेत्र के बीच अंतर इस प्रकार है:-

ध्वनि की ध्वनि	गुमनाम नायक
1. सरकारी और अर्ध-सरकारी संगठनों में कार्य करना इस श्रेणी में विकलांग लोग भी शामिल हैं।	1. लघु एवं सीमांत श्रमिक, भूमिहीन किसान, कृषि एवं दिहाड़ी मजदूर, घरेलू नौकर, मछुआरे, सब्जी एवं फल विक्रेता तथा समाचार पत्र वितरक। इस श्रेणी में शामिल हैं। 2. इस क्षेत्र में काम करने
2. इस क्षेत्र में काम करने वाले लोग बिना किसी विशेष नियम-कानून के काम करते हैं। 3. इस क्षेत्र में काम	वालों के लिए कोई विशेष नियम और कानून नहीं बनाए गए हैं। 3. इस क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, कार्यसूची, पेंशन
करने वाले कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, कार्य-सूची, पेंशन और अन्य सामाजिक लाभ कानून द्वारा विनियमित होते हैं।	और अन्य सामाजिक लाभों के संबंध में कोई नियम नहीं हैं।
4. इस क्षेत्र के कर्मचारी अत्यधिक प्रबंधित और विनियमित क्षेत्र में काम करते हैं।	4. इस क्षेत्र में, नियोक्ता कर्मचारियों से अपने विवेक से काम करने की अपेक्षा रखता है।
5. इस क्षेत्र में छुट्टी और काम के लाभ शर्तें प्रदान की गई हैं। शर्तें प्रदान नहीं की गई हैं। (5) वस्तु की कीमत के आधार पर आर्थिक प्रणाली के प्रकारों का वर्णन करें। उत्तर:- वस्तु	5. इस क्षेत्र में कोई अवकाश लाभ और कार्य अवसर नहीं हैं।

की कीमत लोगों द्वारा की जाने वाली आर्थिक गतिविधियों के प्रकार को निर्धारित करती है।

इस आधार पर आर्थिक प्रणाली के निम्नलिखित क्षेत्रों को विभेदित किया जा सकता है:-

1. प्राथमिक क्षेत्र - प्राथमिक क्षेत्र वह क्षेत्र है जो वनों पर निर्भर प्रक्रियाओं से सीधे तौर पर जुड़ा होता है क्योंकि इन प्रक्रियाओं में वन द्वारा प्रदत्त संसाधन जैसे भूमि, जल, पौधे और खनिज शामिल होते हैं। प्राथमिक क्षेत्र में की जाने वाली मुख्य प्रक्रियाएँ कृषि, मत्स्य पालन और डेयरी फार्मिंग हैं। 2. द्वितीयक क्षेत्र - द्वितीयक क्षेत्र को विनिर्माण क्षेत्र भी कहा जाता है। यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र द्वारा प्रदत्त संसाधनों का कच्चे माल के रूप में उपयोग करता है और इन कच्चे मालों को उत्पादन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम वस्तुओं में परिवर्तित करता है।

भिन्न होता है। द्वितीयक क्षेत्र में मिट्टी के बर्तन, रंगने वाले कपड़े, लोहा और इस्पात, प्लास्टिक और कार बनाने वाली फर्म और कारखाने शामिल हैं। 3.

सेवा क्षेत्र - सेवा क्षेत्र या तृतीयक क्षेत्र को अर्थव्यवस्था का तीसरा सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र

माना जाता है। यह क्षेत्र सीधे तौर पर वस्तुओं के उत्पादन में शामिल नहीं होता है। यह क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र और द्वितीयक क्षेत्र को अपनी वस्तुएं बनाने और बेचने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इस क्षेत्र में बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, परिवहन सेवाएं और संचार सेवाएं शामिल हैं। (6) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के सापेक्ष महत्व का वर्णन करें? उत्तर- अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन करने के बाद यह ध्यान रखना जरूरी है कि अर्थव्यवस्था के ये विभिन्न क्षेत्र, अर्थात् प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र और सेवा क्षेत्र, आत्मनिर्भर क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि काफी हद तक एक दूसरे पर निर्भर हैं। इन क्षेत्रों का तुलनात्मक महत्व इस प्रकार है:-

1. प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र को विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के उत्पादन के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है।
2. प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवा क्षेत्र द्वारा प्रदान की गई सेवाओं का भी क्रेता है।
3. प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र और सेवा क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को गेहूं, चावल और दालें जैसी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराता है।
4. प्राथमिक और सेवा क्षेत्रों को स्वयं को विकसित करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है और ये नई प्रौद्योगिकियां द्वितीयक क्षेत्र द्वारा इन दोनों क्षेत्रों को प्रदान की जाती हैं।
5. द्वितीयक क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र को उन्नत बीज, उर्वरक, दवाइयां आदि उपलब्ध कराता है ताकि यह क्षेत्र विकसित हो सके।
कर सकता।
6. द्वितीयक क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र में पाए जाने वाले छिपे हुए ब्लैक होल की समस्या का समाधान करने में मदद करता है।
7. द्वितीयक क्षेत्र प्राथमिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को आजीविका के कई रूप प्रदान करता है।
8. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को अपने विकास के लिए वित्त की आवश्यकता होती है और यह वित्त इन क्षेत्रों को सेवा क्षेत्र, बैंकों, बीमा कंपनियों और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से प्रदान किया जाता है।
9. सेवा क्षेत्र प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों को परिवहन सेवाएं और संचार सेवाएं प्रदान करता है।

(7) सेवा क्षेत्र के विकास का बोझ

क्या योगदान दिया जाना चाहिए?

उत्तर- 1. सेवा सकल घरेलू उत्पाद में योगदान : भारत का सेवा क्षेत्र, सकल घरेलू उत्पाद में योगदानकर्ता

क्षेत्र विभिन्न क्षेत्रों में से एक प्रमुख क्षेत्र है। 1950-51 में स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का योगदान था 28.5% थी, जो 2020-21 में बढ़कर 53.89% हो गई है।

2. आर्थिक विकास प्रदान करना : इस क्षेत्र की विकास दर अन्य क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है।

1950-51 में यह 6.65% थी, जो 2022-23 में बढ़कर 8.40% हो गई।

3. भारत के विदेशी व्यापार में योगदान - सेवा क्षेत्र भारत के विदेशी व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

सेवा क्षेत्र से 2023 में 218.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात होने की उम्मीद है, जबकि निर्यात 325.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

अरबों अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ। 2023 में निर्यात की वृद्धि दर सेवा क्षेत्र द्वारा संचालित होगी

इस क्षेत्र से आयात की वृद्धि दर 8.1 प्रतिशत रही है, जबकि इस क्षेत्र से आयात की वृद्धि दर 8.3% रही है।

4. मन आवश्यकताओं की सृजन में योगदान - किसी भी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए मानव पूंजी सृजन का एक पूर्ण सेट

अनुकूलित है। सेवा क्षेत्र भारत में मानसिक पूंजी के निर्माण और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में एक महत्वपूर्ण कारक है।

स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, पर्यटन, खेल और कला संबंधी सेवाओं में सुधार लाना।

यह उपलब्ध कराया जा रहा है।

5. विदेशी निवेश देश में लाने में मदद : भारत में सबसे अधिक एफडीआई वाला सेवा क्षेत्र

लेकिन एक अंतर है। 2021-22 में सेवा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़कर 54% हो गया।

(8) भारत में सेवा क्षेत्र के विकास के मुख्य कारण बताइए?

उत्तर भारत में सेवा क्षेत्र का विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान, रोजगार सृजन में इसका योगदान और देश के लोगों को प्रदान की जाने वाली अमूल्य सेवाएँ इस अवधि से स्पष्ट हैं। समय के साथ इस क्षेत्र के विकास के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं:-

1. लोगों द्वारा आवश्यक सेवाओं की बढ़ती मांग - लोगों द्वारा शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं की बढ़ती मांग,

स्वास्थ्य, परिवहन के साधन, संचार के साधन, प्रशासनिक सेवाएं, शिक्षा, बैंकिंग आदि की मांग लगातार बढ़ रही है।

इसलिए, इन आवश्यक सेवाओं को प्रदान करने के लिए सेवा क्षेत्र का विकास करना आवश्यक हो जाता है।

2. लोगों की नई सेवाओं की मांग - समय-समय पर लोग नई सेवाओं की मांग भी करने लगते हैं और

लोगों की इन बढ़ती जरूरतों को केवल सेवा क्षेत्र के विकास से ही पूरा किया जा सकता है।

3. नए क्षेत्रों का विकास - विकास के साथ लोगों की आय बढ़ने लगती है और जिसके कारण वे नई सुविधाओं की मांग करने लगते हैं। जैसे पर्यटन क्षेत्र और मनोरंजन पार्क। इन क्षेत्रों के विकास के लिए सेवा क्षेत्र का विकास बहुत ज़रूरी है।

4. अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों का विकास - सेवा क्षेत्र, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्र जैसे प्राथमिक क्षेत्र और द्वितीयक क्षेत्र

इससे क्षेत्र के विकास में भी मदद मिलती है।

(9) स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी निवेश की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर- शिक्षा को व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता के रूप में स्वीकार किया जाता है। इस सुविधा के बिना व्यक्ति का स्वस्थ और समृद्ध जीवन जीना असंभव है। किसी भी देश की सरकार के लिए यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि वह इस सुविधा को देश के सभी लोगों तक पहुँचाए और नागरिकों की साक्षरता सुनिश्चित करे। चूँकि भारतीय

आर्थिक स्थिति ऐसी है कि भारत सरकार ने ये उपाय लागू किए हैं, खासकर गरीब और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए।

यह लक्ष्य तक पहुँचने में सफल नहीं रहा है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विकास के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षा के क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश किया जाए। यदि शिक्षा के क्षेत्र में अधिक निवेश होगा तो मानव पूँजी का भी विकास होगा।

(10) स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सरकारी निवेश की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर:-स्वास्थ्य को भी व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता माना जाता है। इस सुविधा के बिना व्यक्ति का स्वस्थ और समृद्ध जीवन जीना असंभव है। यह सुविधा देश के सभी लोगों तक पहुँचाई जानी चाहिए।

किसी भी देश की सरकार के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन जहाँ तक भारतीय अर्थव्यवस्था का सवाल है,

भारत सरकार को भी इन कानूनों को हमारे लिए, विशेषकर ग्रामीण लोगों और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों के लिए सुलभ बनाना चाहिए।

इस संबंध में अभी तक सफलता नहीं मिली है। लेकिन अर्थव्यवस्था के विकास के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक से अधिक निवेश करना आवश्यक है। वर्तमान स्थिति पर गौर करें तो कोरोना, कैंसर और एड्स जैसी खतरनाक बीमारियाँ दुनिया में एक हैं।

स्वास्थ्य एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। इसलिए, स्वास्थ्य में निवेश बढ़ाना समय की मांग बन गया है।



1. 1971 ^{और} वर्ष 2011 में जनसंख्या में अधिक वजन की व्यापकता में वृद्धि के क्या रुझान थे?

1971 से 2011 तक भारत की जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई, और वृद्धि दर धीरे-धीरे कम होती गई। 1971 में

जनसंख्या 54.81 करोड़ थी, जो 2011 में बढ़कर 121.08 करोड़ हो गई। 1981-1991 की अवधि के दौरान वृद्धि दर 23.87% थी।

जबकि 2001-2011 में यह 17.64% थी। बढ़ते शहरीकरण के कारण गाँवों से शहरों की ओर लोगों का पलायन बढ़ा। 1971 में शहरी आबादी 20.2% थी, जो 2011 में बढ़कर 31.2% हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के कारण मृत्यु दर में भी कमी आई है।

जीवन प्रत्याशा 49.7 वर्ष (1971) से बढ़कर 67.9 वर्ष (2011) हो गई। परिवार नियोजन और सरकारी योजनाएँ

जन्म दर में भी गिरावट आई। 2011 में लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 940 महिलाएँ थी, जो 1971 (930) से थोड़ा ज़्यादा था, लेकिन कुछ राज्यों में अभी भी चिंता का विषय है।

2. सरकार दूसरों को क्यों प्रेरित होना चाहिए?

शांति स्थापित करना आवश्यक है क्योंकि सरकार

1. पारिवारिक विकास - शिक्षित महिलाएं बेहतर शिक्षित होती हैं और अपने बच्चों के प्रति सम्मान रखती हैं।
2. आत्मनिर्भरता - शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है, जिससे वे अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम होती हैं। वे कर सकते हैं।
3. स्वास्थ्य और पालन-पोषण - शिक्षित महिलाएं अपने परिवार के अच्छे स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूक होती हैं। वहाँ हैं।
4. आर्थिक विकास - यदि महिलाएं काम करेंगी या व्यवसाय करेंगी तो परिवार की आय बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी। यह मजबूत होगा।
5. समान अवसर - शिक्षा महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है, जिससे भेदभाव समाप्त होता है। यह दुर्लभ है।
6. सामाजिक उत्थान - शिक्षित महिलाएं समाज की प्रगति में योगदान देती हैं और भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनती हैं।
7. महिला अधिकार: शिक्षित महिलाएं अपने कानूनी और सामाजिक अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक होती हैं।
8. जनसंख्या वृद्धि: शिक्षित महिलाएं परिवार नियोजन अपनाती हैं, जिससे जनसंख्या बढ़ती है।

खतना आज भी एक वर्जित विषय है।

महिलाओं की शिक्षा न केवल उनके जीवन को बेहतर बनाती है, बल्कि पूरे समाज और देश के विकास में भी योगदान देती है।

3. कुछ जानलेवा बीमारियों की सूची बनाइये?

जानलेवा बीमारियाँ

1. कैंसर
2. हृदय रोग
3. एड्स (एड्स-एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम)
4. टीबी (ट्यूबरकुलोसिस-टीबी)
5. कोरोनावायरस (COVID-19)
6. डेंगू बुखार
7. मलेरिया
8. हेपेटाइटिस बी
9. निमोनिया
10. स्ट्रोक

9. निमोनिया नोट: उपरोक्त गतिविधियाँ केवल शिक्षकों/

छात्रों के मार्गदर्शन के लिए बनाई गई हैं, शिक्षकों को ऐसा नहीं करना चाहिए

आपकी समझ, सुविधा और तकनीकी सहायता के अनुसार गतिविधियों में संशोधन भी किया जा सकता है। उपरोक्त तिथियाँ/चित्र/जानकारी

इस शब्द के लिए गूगल/विकिपीडिया कॉमन्स/चैट GPT का प्रयोग किया गया है।

योगदान: हरद्विंदर वासग (राज्य संसाधन व्यक्ति, सामाजिक विज्ञान) एससीईआरटी; पंजाब (विश्वविद्यालय) एस.सी.ए.टी.; पंजाब,

रणजीत कौर (व्याख्याता इतिहास) एस.एस.एस. स्कूल छिना बेट, गार्डस और, गुर्दासपुर अंडे

मनदीप कौर (एस.एस.डब्ल्यू. मॉलफिच) एस.के.एस.एस.एस. दाखा, एल. वधाना